शिक्षण विधि का क्या अर्थ है? उसका महत्व की बताइयें?
What is the meaning of teaching method? Explain its importance.

शिक्षण विधि से तात्पर्य शिक्षक द्वारा निर्देशित ऐसी क्रियाओं से है जिनकें परिणामस्वरूप छात्र कुछ सीखते हैं इस प्रकार शिक्षण विधि अनेक क्रियाओं का एक पुंज है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके परिणामस्वरूप छात्र कुछ ज्ञानार्जन करता है। शिक्षण विधि में प्रक्रिया होने के कारण इसमें कई सोपान होते है कई सोपान ऐसे होते है जो कई शिक्षण विधियों में पायें जाते है इन सोपानों को ठीक से व्यवस्थित करना शिक्षक का कार्य है।

शिक्षण विधि का महत्व किसी विषय के शिक्षण में वही महत्त्व है जो किसी निर्दिष्ट स्थान तक पंहुचनें के लिये मार्ग होता है एक सैनिक को जिस प्रकार विभिन्न अस्त्र शस्त्रों का ज्ञान होना आवश्यक है उसी प्रकार उसे उन अस्त्र शस्त्रों के प्रयोग की विधियों से अवगत होना भी आवश्यक है। तभी वह युद्ध क्षेत्र में कुछ कर सकता है इस प्रकार शिक्षक को विषयवस्तु व पद्धति दोनो का ही ज्ञान होना आवश्यक है शिक्षण विधि के महत्त्व अलग अलग विद्धानों ने इस प्रकार किया है–

1. **जान डी.पी.**– "निष्कर्ष के विकास के लिये पद्धति पाठ्यवस्तु को सुव्यस्थित करने की विधि है।"
2. **वेस्ले तथा रोवेस्की**– " शिक्षक को जहां विषय वस्तु का ज्ञान होना आवश्यक है, वहीं उसे शिक्षण विधि का भी ज्ञान होना चाहिए। शिक्षण विधि वस्तु के माध्यम से कार्य करती है और वस्तु तभी कार्य कर सकती है जब उसमें किसी शिक्षण विधि का प्रयोग किया जाए"
3. **बाईनिंग एवं बाईनिंग**– शिक्षण शास्त्र को शिक्षण की प्रक्रिया का स्थिर पहले न माना जाए, वरन् उसे शिक्षा के गत्यात्मक कार्य के रूप में ग्रहण किया जाना चाहिए।
4. **सैकण्डरी एजूकेशन कमीशन**– "चाहे जितना उत्तम पाठ्यक्रम बनाया जाए, चाहे जितने वैज्ञानिक पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जाए, जब तक अच्छी शिक्षण विधि का प्रयोग अच्छे शिक्षक द्वारा नही किया जाता है, सब व्यर्थ हैं।"

इस प्रकार शिक्षक के लिये जहां विषय वस्तु का ज्ञान आवश्यक है, वहीं उसे आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का ज्ञान होना भी आवश्यक है इन आधुनिक पद्धतियों में उसे उचित तथा अच्छी पद्धति का चयन करना चाहिए।

सामाजिक अध्ययन शिक्षण में कौन–कौन सी विधियां अपनाई जाती है?

सामाजिक अध्ययन शिक्षण में प्रयुक्त की जाने वाली प्रमुख विधियां निम्न है–

1. पाठ्यक्रम विधि
2. व्याख्यान विधि
3. समस्या समाधान विधि

Scanned with CamScanner

4. वाद विवाद विधि
5. योजना विधि
6. प्रयोगशाला विधि
7. निरीक्षित अध्ययन विधि
8. समाजीकृत अभिव्यक्ति विधि
9. स्त्रोत विधि
10. इकाई विधि

उपर्युक्त शिक्षण विधियों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है–

1. **परम्परागत विधियॉं**– इस शिक्षण विधि के अन्तर्गत पाठ्यपुस्तक विधि को रखा गया है पाठ्यपुस्तक को परम्परागत रूप से एक साधन के रूप मे प्रयोग किया जा रहा है।
2. **शिक्षक प्रधान विधियॉं**– इसके अन्तर्गत व्याख्यान विधि कहानी विधि आदि विधियों को रखा गया है।
3. **बालक प्रधान विधियां**– इन विधियों में बालक की भूमिका प्रमुख होती है शिक्षक एक मार्गदर्शक एवं वातावरण के निर्माता के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाह करता है। वस्तुतः इसमें शिक्षक एक सुविधा प्रदान करने वाले के रूप में कार्य करता है इसमें बालक सक्रिय होकर सीखता है। बालक प्रधान विधियों को आधुनिक शिक्षण विधियां भी कहा जाता है क्योंकि आधुनिक शिक्षा बालक को शिक्षण अथवा सीखने की प्रक्रिया में प्रमुख स्थान प्रदान करने का समर्थन करती है इसके अन्तर्गत समस्या समाधान विधि, योजना विधि, प्रयोगशाला विधि, निरीक्षण अध्ययन विधि, विचार विमर्श विधि आदि को रखा जाता है।

अच्छी शिक्षण विधि की विशेषताओं का उल्लेख करें।

Discuss the characteristic of a good teaching method.

एक अच्छी शिक्षण विधि की विशेषताएँ निम्न प्रकार है–

1. **मनोवैज्ञानिकता**– एक अच्छी शिक्षण विधि में मनोवैज्ञानिकता का गुण पाया जाना स्वाभाविक है यह विषय केन्द्रित न होकर बाल केन्द्रित होती है तथा उनकी रूचियों, आवश्यकताओं, योग्यताओं का ध्यान रखा जाता है।
2. **व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहायक**– एक अच्छी विधि सब प्रकार से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के शारीरिक मानसिक नैतिक एवं संवेगात्मक पक्षों के संतुलित विकास में सहयोगी होनी चाहियें।
3. **अध्यापक और विद्यार्थी के मधुर सम्बन्ध**– एक अच्छी विधि में पढने का स्वस्थ वातावरण निर्मित होता है तथा विद्यार्थी और अध्यापक दोनो एक दूसरे के पर्याप्त तालमेल रखते हुए विषय शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर रहते है।
4. **क्रियाशीलता**– एक अच्छी शिक्षण विधि द्वारा शिक्षण विधि ऐसे अवसर प्रदान करती है कि अध्यापक विद्यार्थियों के ऊपर ठीक प्रकार से व्यक्तिगत ध्यान देने मे समर्थ हो सके।
5. **व्यक्तिगत ध्यान देने में सहायक**– एक अच्छी शिक्षण विधि ऐसे अवसर प्रदान करती है कि अध्यापक विद्यार्थियों के ऊपर ठीक प्रकार से व्यक्तिगत ध्यान देने में समर्थ हो सकें।
6. **विषय शिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक**– एक अच्छी शिक्षण विधि ऐसे अवसर प्रदान करती है कि अध्यापक विद्यार्थियों के ऊपर ठीक प्रकार से व्यक्तिगत ध्यान देने में समर्थ हो सकें।
7. **कक्षा शिक्षण सम्बन्धी विभिन्न समस्याओं से मुक्त रहने में सहायक**– कक्षा शिक्षण में अध्यापक और विद्यार्थी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में बिना किसी तनाव और समस्या का शिकार हुए अपने लक्ष्य की ओर बढते रहे, इस प्रकार का वातावरण बनाए रखना एक अच्छी शिक्षण विधि का उत्तरदायित्व है।
8. **व्यावहारिकता एवं प्रयोगशाला**– एक अच्छी विधि शिक्षण के लिये प्रयोग में लाए जाने की दृष्टि से पूर्ण व्यवहारिक एवं सक्षम होती है इस दृष्टि से एक अच्छी विधि को निम्न विशेषताओं से मुक्त होना चाहिए।

Scanned with CamScanner